(ख)

प्रश्न: "हमर नइजा अछागनि जौं देखल किसन बहर कतुकाह लेखल
"देहाक आब मोर नहि निरखह पुछ जीन तोहेँ आगर जाह"।

उत्तर: प्रस्तुत पद्यांश मनबोध रचित कृष्णजन्म महाकाव्यक चतुर्थ अध्यायसँ लेल गेल अछि।

सेहे कृष्णजन्म महाकाव्यमे वर्णित कालियमदनक लीलाक अछि। किशोर बालक पिताक आज्ञानुसार गायकेँ चरबैत-चराबैत ओहि स्थान पर जा पहुँचला जतय कालीनागनाग सपरिवार रहैत अछि। ओतुका जल सर्पक विषसँ दूषित छल, तेँ कोनो पशु-पक्षी जल नहि पिबैत छल। कृष्णकेँ एहिसँ दु:ख भेलनि त' ओ कालियाकेँ ओतयसँ भगयबाक लेल दुनू भर्प यमुना मे कुदि गेलाह। ओतए कालिया साँप सँ बहुत लड़ाई भेलनि नागक फण पर चढ़ि खूब मारलनि साँपकेँ सोनित बोकरय लागल। पहिने त' बुझबे नहि केलकान्हि जे ई नेना रूपधारी के छिकाह। जखन ज्ञान भेलनि त'

Scanned with CamScanner

कालिया सपरिवार शरणागत भए प्रार्थना करैत अछि। प्रभु हम गरुड़क डरसँ लीलाम रहैत छी। अपने अहाँ सपरिवार एत सँ चलि जाउ सागरमे रहब। अहाँ केँ डेरबाक काज नहि अछि। खगपति जखन हमर चरणक चेन्ह अहाँक फण पर देखताह त' अहाँसँ बहुत नहि कहुथ बुझत। तखने कालिया नाग अपन लाव-लश्कर, नौकर-चाकर सहित सागरवासकेँ लेल चलि देलन्हि।

प्रश्न: "मेघक नृप संवर्तक नाम अछि चललकए लेलक सलाम दशन कोटि मेघक दल-चलल ठनको ठनक तकर उठ अनल"

उत्तर: प्रस्तुत पद्यांश मनबोध रचित कृष्णजन्म महाकाव्यमे पंचम अध्यायसँ लेल गेल अछि। ब्रजवासी गोप लोकनि देवराज इन्द्रक पुजा बन्द क' गोवर्द्धनक पुजा आरम्भ कैलनि।

गोकुलकेँ गोप सभ देवइन्द्रक पुजा छोरि गोवर्द्धनक पुजा कैलासँ देवराज कुपीत भ' गोकुलकेँ घोर

संत्रासो देबाक उद्देश्यसँ मेघक नृप संवर्तक केँ पठौलनि।
संवर्तक अपन समस्त दल-फौजक संग गोपगामक
नगरी ब्रज आबि वृष्टिसँ डुबा देबाक लेल प्रवृत्त भेलैथ।
वर्षाक संग प्रचण्ड रूप धऽ मेघ अपन गर्जन-तर्जन
सँ ब्रजवासीकेँ डराबए लगलाह। मुदा जनिक साक्षात्
पर ब्रह्म परमेश्वर सहायक होथि तनिक केओ की
बिगाड़ि सकैछ। परञ्च पर-ब्रह्म परमेश्वर सहायक
होथि तनिक केओ की बिगाड़ि सकैछ। परञ्च मेघराजक
अपन प्रयास विफल भऽ गेलनि तँ पाथरक वर्षा
करय लगलाह। तखन कृष्ण ब्रजवासीकेँ बचएबाक
लेल गोवर्धन पर्वत केँ उठा लेलन्हि। मेघराज
संवर्तक हारि कऽ भागि पड़यलाह। श्रीकृष्ण अपन लीला
करबामे मस्त छलाह। सात दिन-रातिक मेघक
उत्पात सँ समस्त ब्रजवासीक रक्षा कैलनि। गोप
बन्धुकेँ कृष्ण! विश्वास होइत जाइत छलनि जे
कृष्ण कोनो साधारण पुरुष नहि छथाह।

रानी मिश्रा
मैथिली विभाग
R. N. College
pandaul, Madhubani

Scanned with CamScanner